

## Rapid Fire करंट अफेयर्स (20 March)

- गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के नधिन के बाद वधानसभा स्पीकर प्रमोद सावंत ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ। राज्यपाल मृदुला सनिहा ने उन्हें गोवा के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दलाई। इसके आलावा महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (MGP) के सुदीन धवलीकर और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के वजिई सरदेसाई ने उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।
- आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर डिजिटल चुनावी साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु असम में 'i-help' पहल शुरू की गई है। 'i-help' मुख्य नरिवाचन अधिकारी (CEO) के कार्यालय और कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) की एक संयुक्त पहल है। यह विशेष पहल डिजिटल खाई को पाटने के साथ-साथ आम चुनाव को अधिक समावेशी और सहभागी बनाने के उद्देश्य को पूरा करेगी।
- वैश्विक पुनर्चक्रण दविस (Global Recycling Day) की शुरुआत 2018 में की गई थी ताकि हमारे ग्रह, पृथ्वी के भवषिय के साथ-साथ प्रमुख संसाधनों को सुरक्षित रखने में पुनर्चक्रण की भूमिका की पहचान की जा सके। 2018 से ही 18 मार्च को वैश्विक पुनर्चक्रण दविस मनाया जाता है। ग्लोबल रिसाइक्लिंग फाउंडेशन ने वर्ष 2019 हेतु वैश्विक पुनर्चक्रण दविस का वषिय 'Recycling into the Future' रखा है।
- हाल ही में रघु करनाड को प्रतिष्ठित वडिहम कैपबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार नॉन-फकिशन श्रेणी में उनकी कतिाब 'फारदेस्ट फीलड: एन इंडियन स्टोरी ऑफ द सेकेंड वर्ल्ड वॉर' के लिये दिया गया है। 2013 में शुरू हुआ यह पुरस्कार अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी द्वारा दिया जाता है। इस साल यह पुरस्कार दुनिया भर से चुने गए 8 लेखकों को प्रदान किया गया है। रघु करनाड को अपनी इस कतिाब के लिये साल 2016 में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार (अंगरेजी) भी मलि चुका है। यह कतिाब दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े कुछ भारतीयों के अनुभवों के बारे में है।
- प्रसदिध बंगाली अभनिता चनिमय रॉय का 79 साल की उम्र में दलि का दौरा पड़ने से नधिन। तेन्यदा के पात्र से लेकर 'बसंता बलिाप', 'मोचक' से लेकर 'गालपो होलो सोती' तक उनके अभनिय ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया था। चनिमय रॉय का जन्म 1940 में कुमलिा ज़िलि में हुआ था जो वर्तमान में बांग्लादेश में है। चनिमय रॉय ने 60 के दशक में बंगाली फलिमों से अपने करियर की शुरुआत की थी।
- भारतीय शटलर बी.साई प्रणीत स्वसि ओपन बैडमटिन टूर्नामेंट का खतिाब अपने नाम करने से एक कदम पीछे रह गए। पुरुष एकल के फाइनल में बी.साई प्रणीत को चीनी खिलाड़ी शी यूकी ने मात दी। वह मैच का पहला गेम जीतने में सफल रहे थे कतिु यूकी ने फाइनल में खतिाब अपने नाम कर लिया। 68 मिनट तक चले मुकाबले में बी.साई प्रणीत को 21-19 18-21, 12-21 से शकिस्त झेलनी पड़ी। आपको बता दें कि भारतीय शटलर बी.साई प्रणीत ने अंतमि बार जून 2017 में थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुँचकर खतिाब अपने नाम किया था।